राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2024

स्रोत: बिज़नेस स्टैण्डर्ड

हाल ही में **मौलाना अबुल कलाम आज़ाद** की जयंती और भारत के शैक्षिक परिदृश्य में उनके योगदान का स्मरण करने के क्रम में**11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस (NED)** मनाया गया। **भारत के पहले शिक्षा मंत्री के रूप में** उन्होंने आधारभूत संस्थानों की स्थापना के साथ सुलभ एवं समावेशी शिक्षा की वकालत करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- भारत सरकार ने पहली बार **वर्ष 2008 में मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती के स्मरण में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस** की घोषणा की थी।

//

उपलब्धियाँ:

- **उन्होंने** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) की स्थापना में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- उन्होंने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR), साहित्य अकादमी, ललित कला अकादमी, संगीत नाटक अकादमी और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR) की स्थापना की।
- **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर की शुरुआत की**, जिससे भारत के प्रमुख तकनीकी शिक्षा संस्थानों की नींव रखी गई।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का महत्त्व:

- यह शिक्षा को सामाजिक उन्नति एवं सशक्तीकरण के क्रम में आवश्यक **मूल अधिकार** के रूप में रेखांकित करने पर केंद्रित है।
- इसके तहत छात्रों एवं शिक्षकों को अबुल कलाम आज़ाद के सिद्धांतों पर चिंतन करने तथा रचनात्मकता एवं आजीवन सीखने के मूल्यों को बढ़ावा देने हेतु प्रोत्साहित करना शामिल है।

- इसके तहत शैक्षकि मुद्दों पर प्रकाश डालने के साथ भारतीय शक्षिा प्रणाली में आधुनकि चुनौतियों का समाधान करने के क्रम में सुधारों पर चर्चा को महत्त्व दयाि जाता है।

और पढ़ें: अबुल कलाम आज़ाद: राष्ट्रीय शक्षिा दविस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-education-day-2024